www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों...
3 अल सुबह पूंडरी विधायक ने किया ढांड व पूंडरी बस...
4 पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क का मनाया...

वर्ष: 9 | अंक: 274 | दिल्ली, सोमवार, 28 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

सिनेमा घर को लाइसेंस देने का अधिकार दिल्ली पुलिस से वापस लेकर सरकार को सौंपा गया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने सिनेमा घर, थिएटर और मल्टीप्लेक्स को लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस से वापस लेकर सरकार को दे दिया है एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज निवास की ओर से शुक्रवार को जारी एक आदेश में, उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को चलचित्र अधिनियम के तहत लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से तत्काल प्रभाव से अलग रहने का निर्देश दें। अधिकारी ने बताया कि लाइसेंसिंग व्यवस्था को और उदार बनाने तथा दिल्ली में कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाए गए इस कदम के तहत संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति के पास चलचित्र अधिनियम, 1952 के तहत लाइसेंस देने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। समिति में संबंधित एमसीडी जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव की ओर से नामित एक संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ और बिजली विभाग के सचिव की ओर से नामित एक विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ शामिल होंगे।

निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडेंगे-तेज प्रताप यादव

बिहार (एजेन्सी)। बिहार की राजनीति में एक नया मोड आ गया है। राष्ट्रीय जनता दल से हाल ही में निष्कासित हुए पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडेंगे। तेज प्रताप यादव वर्तमान में समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं। अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए, तेज प्रताप ने अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने कहा, 'हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लडूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर खुजली होने लगी होगी।' उन्होंने दावा किया कि उन्हें जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है और बडी संख्या में लोग उनके 'टीम तेज प्रताप यादव' नामक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड रहे हैं, जिसके जरिए वे लोगों तक पहुंच रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार अपना मुख्यमंत्री पद नहीं बचा पाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि 'चाचा' (नीतीश) मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे... जो लोग सरकार बनाएंगे, अगर वे युवाओं, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करेंगे, तो तेज प्रताप यादव उनके साथ खडे होंगे।'

चोल साम्राज्य का इतिहास और विरासत हमारे महान राष्ट्र की ताकत और वास्तविक क्षमता को दर्शाती है: प्रधानमंत्री

चोल युग भारतीय इतिहास के स्वर्णिम काल में से एक था-मोदी

संजना भारती/पीआईबी

तमिलनाडु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरुवथिरई महोत्सव को संबोधित किया। सर्वशक्तिमान भगवान शिव को नमन करते हुए, श्री इलैयाराजा के संगीत और ओधुवरों के पवित्र मंत्रोच्चार के साथ, राजराज चोल की पावन भूमि में दिव्य शिव दर्शन के माध्यम से अनुभव की गई गहन आध्यात्मिक ऊर्जा का स्मरण करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि इस आध्यात्मिक वातावरण ने आत्मा को गहराई से प्रभावित किया है।

सावन के पवित्र महीने के महत्व और बृहदेश्वर शिव मंदिर के निर्माण के 1,000 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर का उल्लेख करते हुए, श्री मोदी ने इस असाधारण क्षण में भगवान बृहदेश्वर शिव के चरणों में उपस्थित होने और इस पूजनीय मंदिर में पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त होने की बात कही। उन्होंने ऐतिहासिक बृहदेश्वर शिव मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और राष्ट्र की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की और भगवान शिव के पवित्र मंत्र का जाप करते हुए, भगवान शिव का आशीर्वाद सभी पर बरसने की कामना की।

श्री मोदी ने लोगों से आग्रह किया कि वे केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित मानव कल्याण और समृद्धि के लिए हमारे पूर्वजों द्वारा बनाए गए रोडमैप से जुड़े 1000 वर्षों के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी देखें। उन्होंने चिन्मय मिशन द्वारा आयोजित तमिल गीता एल्बम के विमोचन समारोह में भी भाग लिया और कहा कि यह पहल देश की विरासत को संरक्षित करने के संकल्प को ऊर्जा प्रदान करती है। उन्होंने इस प्रयास से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि चोल शासकों ने श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक अपने राजनयिक और व्यापारिक संबंध बढ़ाए थे। उन्होंने इस संयोग का भी उल्लेख किया कि वे कल ही मालदीव से लौटे हैं और आज तमिलनाडु में इस कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं।

भगवान शिव का ध्यान करने वालों को उनकी तरह अमर बनाने वाले शास्त्रों का उल्लेख करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि शिव के प्रति अटूट भक्ति में निहित भारत की चोल विरासत अमर है। प्रधानमंत्री ने कहा, "राजराजा चोल और राजेंद्र चोल की विरासत भारत की पहचान और गौरव का पर्याय है।" उन्होंने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और विरासत भारत की वास्तविक क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विरासत एक विकसित भारत के निर्माण की राष्ट्रीय आकांक्षा को प्रेरित करती है। उन्होंने राजेंद्र चोल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, उनकी चिरस्थायी विरासत का आभार व्यक्त किया। हाल ही में मनाए गए आदि तिरुवथिरई महोत्सव का उल्लेख करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि आज का यह भव्य कार्यक्रम इसके समापन का प्रतीक है और उन्होंने इस आयोजन में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई दी।

चिदंबरम नटराज मंदिर के दीक्षितों के साथ अपनी मुलाकात को याद करते हुए, श्री मोदी ने बताया कि उन्होंने उन्हें उस दिव्य मंदिर से पवित्र प्रसाद भेंट किया। इस मंदिर में भगवान शिव की नटराज रूप में पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि नटराज का यह रूप भारत के दर्शन और वैज्ञानिक आधार का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि भगवान नटराज की ऐसी ही एक आनंद तांडव मूर्ति दिल्ली के भारत मंडपम में भी सुशोभित है। यहां 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक नेता एकत्रित हुए थे।

प्रधानमंत्री ने श्रद्धेय नयनमार संतों की विरासत, उनके भक्ति साहित्य, तमिल साहित्यिक योगदान और अधीनमों के आध्यात्मिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा- "भारत की शैव परंपरा ने राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चोल सम्राट इस सांस्कृतिक विकास के प्रमुख निमार्ता थे और तमिलनाडु जीवंत शैव विरासत का एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है"। उन्होंने कहा कि इन तत्वों ने सामाजिक और आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में एक नए युग का सूत्रपात किया।

सीएम रेखा गुप्ता और कपिल मिश्रा की उपस्थिति में तीन दिवसीय तीज महोत्सव का समापन

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित तीन दिवसीय तीज महोत्सव 2025 का भव्य समापन दिल्ली हाट, पीतमपुरा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह महोत्सव 25 जुलाई को मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता कला, संस्कृति, भाषा एवं पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने की थी। समापन अवसर पर भी श्री मिश्रा उपस्थित रहे।

तीज महोत्सव नारी सशक्तिकरण, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक सहभागिता का प्रतीक बनकर सामने आया। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों की महिला सांसदों की भागीदारी ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। मौके पर श्रीमती मल्लिका नड्डा भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तीज को केवल एक पर्व नहीं, बल्कि महिला चेतना और सांस्कृतिक आंदोलन का प्रतीक बताया। उन्होंने कार्यक्रम में आई महिलाओं से मुलाकात की और आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए उनका आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मेरी बहनों की उपस्थिति किसी भी कार्यक्रम को सुंदर बना देती है। इतनी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में मेरी बहनों की उपस्थिति से यह साबित होता है कि तीज को लेकर महिलाओं में कितना उत्साह है। हमने तीज के इस सुन्दर अवसर पर अपनी बहनों के लिए झूले, मेंहदी फ्री लगवाने का इंतजाम किया है। हम हर वर्ष इसी भव्यता के साथ तीज का उत्सव मनाएंगे। कार्यक्रम में दिल्ली के कैबिनेट मंत्रियों के अतिरिक्त

दिल्ली के सांसदगण भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन को अपना समर्थन दिया। महोत्सव में 100 से अधिक स्टॉल्स, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, बच्चों के लिए किड्स जोन, रंगोली, मेहंदी, सेल्फी प्वाइंट्स, झूले, स्लोगन और क्विज प्रतियोगिताएं शामिल की गईं। आयोजन का डिजिटल प्रचार 'बुक माय शो' और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से व्यापक रूप से किया गया। श्री मिश्रा ने बताया कि यह आयोजन पूरी तरह निःशुल्क था और इसका उद्देश्य महिला उद्यमिता व रचनात्मकता को मंच देना था। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव दिल्ली को सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है।

करावल नगर विधानसभा क्षेत्र में पीएनजी सुविधा हेतु पाइप लाइन बिछाने का शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के विकास मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने करावल नगर के सादतपुर में PNG सुविधा हेतु गैस पाइप लाइन बिछाने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्रीय पार्षद के साथ ही स्थानीय जनता, RWA के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान श्री मिश्रा ने क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाएगा। PNG आपूर्ति की सुविधा से लोगों का पैसा भी बचेगा और सुरक्षा में भी बढ़ोतरी होगी।

सादतपुर क्षेत्र के के., एल, एम, एन ब्लॉक में पाइप लाइन बिछाने के कार्य 4 महीने में पूरा कर लिया जाएगा और 6 महीने में PNG की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने करावल नगर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पीएनजी आपूर्ति पहुंचाने का निर्णय लिया है। इस दिशा में सादतपुर के के., एल, एम और एन ब्लॉकों एवं सादतपुर एक्सटेंशन के बी. ब्लाक से PNG सुविधा हेतु पाइप लाइन बिछाने हेतु कार्य शुरू किया जा रहा है।

जल्द ही यह सुविधा करावल नगर विधानसभा क्षेत्र के सोनिया विहार एवं सोनिया विहार एक्सटेंशन, सभापुर, खजूरी खास, बिहारीपुर, शेरपुर, तुकमीरपुर, सादतपुर के ए से लेकर एफ तक सभी ब्लॉक, मिलन गार्डन, दयालपुर ई एवं एफ ब्लॉक, श्री राम कॉलोनी, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, मुकुंद विहार,

2 साल में करावल नगर के प्रत्येक घर तक पहुंचेगी पीएनजी सुविधा: कपिल मिश्रा

वेस्ट करावल नगर, अंकुर एन्क्लेव, वेस्ट कमल विहार और चांद बाग तक विस्तारित की जाएगी।

पीएनजी की यह उपलब्धता करावल नगर क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस कार्यक्रम के दौरान ही मंत्री ने प्रधान मंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को भी सुना। शुभारंभ कार्यक्रम में श्री कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि यह पहल दिल्ली सरकार की आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने और सतत शहरी विकास की व्यापक प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य आवश्यक सेवाओं की अंतिम छोर तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। हमारी कोशिश है कि करावल नगर के सभी 5 वार्डों में 2 साल के भीतर सभी घरों तक PNG की सुविधा हर हाल में पहुंच जाये।

लॉजिस्टिक्स प्रणाली जितना मजबूत होगी, देश की सीमाएं भी उतनी ही मजबूत होंगी: राजनाथ सिंह

पिछले 11 वर्षों में भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व ढांचागत परिवर्तन हुए: अश्विनी वैष्णव

गति शक्ति विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में 194 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

गोरखपुर। गति शक्ति विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह वडोदरा में आयोजित किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समारोह में वर्चुअल माध्यम से मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अपने बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अभूतपूर्व परिवर्तन का साक्षी बन रहा है, जो देश के आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत नींव रख रहा है।

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को 21वीं सदी के भारत के लिए गेम चेंजर बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इसमें युवाओं के लिए अपार अवसर हैं और यह विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। लॉजिस्टिक्स के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि देश में लॉजिस्टिक्स सेवाएं जितनी मजबूत होंगी, हमारी सीमाएं भी उतनी ही मजबूत रहेंगी। जब हम देश के एक हिस्से में निर्मित रक्षा उत्पाद या सैनिकों के लिए खाद्य आपूर्ति समय पर सीमा तक पहुंचाते हैं, तो हमारे सीमा रक्षकों का मनोबल और मजबूत हो जाता है। सरकार की पहलों पर प्रकाश डालते हुए, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाने और मिशन मोड योजनाओं को लागू करने जैसी पहलों ने लॉजिस्टिक्स लागत में काफी कमी की है और डेटा आधारित निर्णय लेने को प्रोत्साहित किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री और गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अश्विनी वैष्णव ने पिछले 11 वर्षों में भारतीय रेलवे में हुए परिवर्तनकारी बदलावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में रेल नेटवर्क का 5,300 किलोमीटर तक विस्तार किया गया है और सुरंग निर्माण कुल 368 किलोमीटर तक पहुंच गया है।

इतिहास में ढाई सदियों की अवधि को छोड़कर भारत हमेशा से दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। उन्होंने गति शक्ति विश्वविद्यालय जैसे शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से हर क्षेत्र पर केंद्रित मानव संसाधन का निर्माण करके भारत को एक बार फिर शीर्ष अर्थव्यवस्था बनाने पर जोर दिया।गति शक्ति विश्वविद्यालय ने लगभग 40 विभिन्न औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने भविष्य में मरीन इंजीनियरिंग पर केंद्रित शोध पत्र तैयार करने और समुद्री उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन करने का भी सुझाव दिया।

श्री वैष्णव ने स्नातक छात्रों को भारत की विकास यात्रा में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया और इस क्षेत्र में नवाचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने गति शक्ति विश्वविद्यालय को "विकास का इंजन" बताया और छात्रों से 2047 तक विकसित भारत के विजन का समर्थन करने का आग्रह किया।

दीक्षांत समारोह में कुल 194 विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में डिग्री प्रदान की गई। प्रत्येक पाठ्यक्रम से एक छात्र को शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि उत्कृष्ट

परियोजना और सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए भी पुरस्कार भी दिए गए। गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) मनोज चौधरी ने स्वागत भाषण दिया और पिछले तीन वर्षों में संस्थान के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी, राजमाता शुभांगिनी राजे गायकवाड़, भारतीय सेना और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, छात्र और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

मनसा देवी मंदिर में हुई दुखद भगदड़ में छह लोगों की मौत

हरिद्वार (एजेन्सी)। रविवार सुबह हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में हुई दुखद भगदड़ में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना के बाद, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश भी दिए हैं और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया है। मुख्यमंत्री धामी ने मृतकों के परिवारों के लिए 2-2 लाख रुपया और घायलों के लिए 50,000 रुपया की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। घटना में कुछ गंभीर रूप से घायल श्रद्धालुओं को बेहतर इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों में भगदड़ का कारण एक टूटी हुई बिजली की लाइन के भीड़-भाड़ वाले रास्ते पर गिरने की अफवाह को बताया गया था। हालांकि, मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने इस बात से इनकार किया है कि यह बिजली के करंट की घटना थी।

विद्यादीप पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट्स जीत कूने डो संगठन की ओर से बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला के शिव विहार स्थित विद्यादीप पब्लिक स्कूल में रविवार को स्पोर्ट्स जीत कूने डो संगठन की तरफ से बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया।

बेल्ट टेस्ट में चार स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। शिव विहार स्थित विद्यादीप पब्लिक स्कूल के कोच राकेश कुमार चितौड़ी, बिशप बॉयज राजपुर रोड कोच शिव चितौड़ी, संजय आर्यन, क्लब कोच संजय भजनपुरा, आइकन का मार्शल आर्ट फिटनेस एके-डमी आजादपुर कोच सोनू कश्यप ये सभी

कोच अपने-अपनी टीम लेकर आए हुए थे। सभी बच्चों ने अपना दमदार प्रदर्शन किया। साथ ही सभी बच्चों को राकेश कुमार चितौड़ी ब्लैक बेल्ट 7वीं रैंक ने कलर बेल्ट प्रमाण पत्र और आई कार्ड देकर सम्मानित किया।

सम्पादकीय

किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है 'शिक्षा'

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है। चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज्यादा स्नातकों का रोजगार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। इस साल फरवरी में केंद्र सरकार ने बताया था कि पिछले 10 साल में यूनेस्को में 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इनमें से अधिकांश 25 हजार स्कूल अकेले उत्तर प्रदेश से थे। 5 हजार स्कूल और बंद हमारे दिल पर मोर लोड ना आए इसलिए योगी सरकार ने स्कूल बंद करने की इस स्कॉच को नाम दिया है पेअरिंग स्कॉच। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में करीब 1 लाख 62 हजार प्राथमिक विद्यालय थे। जो साल 2021-22 में 1 लाख 40 हजार ही रह गए। यानी 2015-16 के मुकाबले में ये संख्या कम हो गई। सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर देना ही बेहतर है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये स्कॉटिश बच्चे क्यों नहीं हैं? क्या बच्चों की संख्या आपके-आप कम हो गई, या इसके पीछे सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? ईटीवी-भारत न्यूज वेबसाइट के अनुसार यू-डीआईएसई पोर्टल के आधार पर जो आंकड़े सामने आए हैं, वो देखने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 30,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। जहां 742 स्कूल पूरी तरह से खराब खंडहर हैं। इसके बाद 690-690 में जंगल और जंगल में 674, गरीब में 643, 641 में गरीब में और 633 में बलिया में कब्जा की स्थिति बेहद खस्ता है। इन स्कूलों में बच्चों के लिए न तो अधूरा निर्माण है, न शौचालय, न पीने का पानी और न ही चारदीवारी। कभी मिड-डे मील का सामान नहीं आता, तो कभी छत टपकती है। स्थानीय बिजली नहीं। कभी-कभी स्कूल में ही जूते डूब जाते हैं। तो ऐसे रसोई में किसी ने भी अपने बच्चों को क्यों भेजेगा? जब स्कूल में टीचर ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी? जिन शिक्षकों में शिक्षक तैनात हैं, वहां उनकी ड्यूटी चुनाव, सर्वेक्षण, योजना या धार्मिक आयोजनों में लगाई जाती है। स्कूल सिर्फ रिकॉर्ड में है। क्लासरूम बंद होता है, परिसर सूना रहता है। फिर जब बच्चों की पढ़ाई नहीं होती, तो परिवार वाले अपने बच्चों को या तो प्राइवेट स्कूलों में दाल देते हैं या फिर पढ़ाई ही छुड़वा देते हैं। यानी धीरे-धीरे सरकारी स्कूल के बच्चे आना ही बंद कर देते हैं। फिर एक दिन शासन की रिपोर्ट आती है "छात्र संख्या कम है, स्कूल बंद कर दिया जाएगा।" बाकी जो स्कूल चल रहे हैं उनमें भी बार-बार सुरक्षा के नाम पर छुट्टियाँ घोषित कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अब बस एक धार्मिक परंपरा नहीं रही, ये एक सरकारी आयोजन संस्था बन चुकी है। हर साल जैसे ही सावन आता है, प्रदेश का पूरा सरकारी तंत्र एक ही दिशा में दौड़ता है-तीर्थयात्रियों की सेवा। स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक, स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर निगम तक, हर विभाग को आदेश दिया जाता है कि "कांवड़ियों की सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए।" जगह-जगह कैंप, मेडिकल कैंप, मोबाइल स्टेडियम, मिस्ट फैन, नमक-पानी तक डाला जाता है। और ये सब फंडिंग आती है सरकारी खजाने से।

जयंती

रामेश्वर ठाकुर

जन्म-28 जुलाई, 1927, गोड्डा ज़िला, झारखण्ड; मृत्यु-15 जनवरी, 2015, दिल्ली) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। उन्होंने देश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया था। रामेश्वर ठाकुर भारत के कई राज्यों में राज्यपाल के पद पर भी रहे। वह वर्ष 2004 से 2006 तक उड़ीसा, 2006 से 2007 तक आंध्र प्रदेश, 2007 से 2009 तक कर्नाटक और 2009 से 2011 तक मध्य प्रदेश राज्य के राज्यपाल रहे। रामेश्वर ठाकुर शिक्षा के उत्थान, समाज सेवा और ग्रामीण विकास जैसे कार्यों नें सदैव संलग्न रहे। आदिवासियों, हरिजनों और अन्य सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के कल्याणार्थ भी उन्होंने काफी कार्य किया।

पुण्यतिथि

महाश्वेता देवी

जन्म-14 जनवरी, 1926, ढाका; मृत्यु-28 जुलाई, 2016, कोलकाता) भारत की प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और लेखिका थीं। उन्होंने बांग्ला भाषा में बेहद संवेदनशील तथा वैचारिक लेखन के माध्यम से उपन्यास तथा कहानियों से साहित्य को समृद्धशाली बनाया। अपने लेखन कार्य के साथ-साथ महाश्वेता देवी ने समाज सेवा में भी सदैव सक्रियता से भाग लिया और इसमें पूरे मन से लगी रहीं। स्त्री अधिकारों, दलितों तथा आदिवासियों के हितों के लिए उन्होंने जूझते हुए व्यवस्था से संघर्ष किया तथा इनके लिए सुविधा तथा न्याय का रास्ता बनाती रहीं। 1996 में उन्हें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। महाश्वेता जी ने कम उम्र में ही लेखन कार्य शुरू कर दिया था और विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं के लिए लघु कथाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

कल मिलेंगे

टीचर: बच्चों, बताओ, सबसे आलसी जानवर कौन सा है?
एक बच्चा: हाथी!
टीचर: क्यों?
बच्चा: क्योंकि वो दिन भर सोता रहता है।
टीचर: नहीं, वो तो सबसे समझदार जानवर है। सबसे आलसी जानवर तो वो है, जो 'घंटी बजने' का इंतजार करता है।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के फैलाव का संकट

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

> चिकनगुनिया की जहां तक पहचान की बात है तो माना जाता है कि तंजानिया में 1952 में चिकनगुनिया का नामकरण हुआ। दरअसल माकोंडे में पठार में चिकनगुनिया के मरीज की पहचान हुई। चिकनगुनिया में बुखार तो होता ही है पर यह सबसे अधिक प्रभावित जोड़ों को करता है। चिकनगुनिया में जोड़ो में भयंकर दर्द होता है और यह दर्द आसानी से व जल्दी जाता भी नहीं है

विश्व स्वास्थ्य संगठन की माने तो चिकनगुनिया अब विकराल रुप लेता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार आने वाले समय में पांच अरब लोगों के इसके दायरें में आने की पूरी पूरी संभावना है। हांलाकि चिकनगुनिया से मौत का आंकड़ा प्रभावितों में से केवल एक प्रतिशत है पर जिस तरह से इसके फैलने की संभावनाएं बनती जा रही है निश्चित रुप से मौत का आंकड़ा भी बढ़ेगा और लाख दावों के बावजूद इसके स्वास्थ्य पर दूरगामी गंभीर प्रभाव भी पड़ेगा। चिकनगुनिया की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उष्णकटिबंधीय अफ्रीका से एशिया को लपेटे में लेने वाली यह बीमारी अब योरोप को भी अपनी जद में करीब करीब ले चुकी है। दरअसल जलवायु परिवर्तन भी इसके फैलाव में सहायक है। तापमान बढ़ोतरी और नमी दोनों के कारण चिकनगुनिया का मच्छर फैलता है। जहां पानी जमा हुआ इसके मच्छर को डेरा जमाने का अवसर मिल जाता है। दुनिया के 119 देशों में चिकनगुनिया अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। हमारे देश में तो पिछले कुछ वर्षों से चिकनगुनिया लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा ही रहा है। यदि हमारे देश भारत की बात करें तो गत वर्ष चिकनगुनिया के दो लाख संदिग्ध मामलें सामने आये थे जिनमें से 17 हजार से अधिक मामलों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई थीं। भले ही यह संख्या कम लग रही हो पर जिस तरह से चिकनगुनिया हमारे देश सहित दुनिया के देशों में पांव पसार रहा है यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता का प्रमुख कारण है।

चिकनगुनिया की जहां तक पहचान की बात है तो माना जाता है कि तंजानिया में 1952 में चिकनगुनिया का नामकरण हुआ। दरअसल माकोंडे में पठार में चिकनगुनिया के मरीज की पहचान हुई। चिकनगुनिया में बुखार तो होता ही है पर यह सबसे अधिक प्रभावित जोड़ों को करता है। चिकनगुनिया में जोड़ो में भयंकर दर्द होता है और यह दर्द आसानी से व जल्दी जाता भी नहीं है। मकोंडे भाषा में चिकनगुनिया का मतलब दोहरा कर देना है और चिकनगुनिया के लक्षण दर्द के मारे दोहरा कर देने के कारण इसे चिकनगुनिया कहा जाने लगां। तंजानिया के दो वैज्ञानिकों मैरियन राबिन्सन और ड्ब्लूएचआर लम्सडेन ने 1955 में दो अलग अलग शोधपत्र लिखकर इसके बारें में जानकारी दी। जहां तक भारत की बात है तो 1963 में कोलकता में चिकनगुनिया से पीड़ित मरीज पाया गया। चिकनगुनिया में बुखार तो सामान्यतः दो से 5 दिन रहता हे पर जोड़ों का दर्द लंबे समय तक असर दिखाता है। चिकनगुनिया मच्छर जनीत बीमारी है और पिछले कुछ सालों खासतौर से जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरुप मच्छर जनीत रोगों अधिक फैलाव हुआ है और पहले बरसात के पानी जमा होने के कारण फैलने वाली यह बीमारी अब गर्मी के मौसम बल्कि यह कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी छट-बारह महीने अपना असर दिखाने लगी है। इस साल हमारे यहां मानसून ने समय से पूर्व प्रवेश किया है और राजस्थान ही नहीं अपितु देश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बरसात हो रही हैं। जिस तरह की हमारी ड्रेनेज व्यवस्था है और जिस तरह से जल भराव के हालात हो रहे हैं उससे चिकनगुनिया का प्रकोप व्यापक रुप से देखने को मिल सकता है। अल्फाविषाणु परिवार के इस सदस्य एडिस के लार्वा के फैलाव को रोकने के लिए फोगिंग की प्रभावी व्यवस्था तो अभी दिखाई नहीं देती। फिर पानी का जमाब, गंदगी और बातावरण की नमी व लगातार बरसात के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ेगा ही, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। दरअसल हम आपदा से निपटने के लिए पहले से तैयार रहते ही नहीं है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर तो पानी का भराव, किचड़, गंदगी आदि तो है ही इसके साथ ही हमारी प्रवृति के अनुसार हम स्वयं मच्छर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के स्थान पर उसके फैलाव में सहभागी बन जाते हैं। घरों में पानी जमा होना और कबाड़ में पानी भरा रहना, कूलरों में पानी को समय से नहीं बदलना आदि ऐसे कारण है जिससे एडीज एजिटी और एडीज एल्बोपिक्टस को पनपने में पूरा सहयोग मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार सुबह सुबह और दोपहर में यह अधिक सक्रिय रहता है।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि दुनिया के देशों में अभी गंभीरता आई ही नहीं हैं। बरसात व उसके बाद आवश्यक फोगिंग की व्यवस्था, साफ-सफाई और मच्छर के लार्वा को नष्ट करने की व्यवस्था और इसके साथ आमजन में अवेयरनेस को गंभीरता से लिया ही नहीं जाता। मच्छर जनित बीमारी का फैलाव कब होगा इसके लिए पूर्व तैयारी हमारी होती ही नहीं। जब अस्पतालों में मरीजों की भीड़ होने लगती है तब हमारी जागने की प्रवृति है। नहीं तो अवेयरनेस कार्यक्रम तो पहले से ही चलाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सदस्य डायना रोजास अल्वारेज इसलिए भी चिंतित है कि 2004-05 चिकनगुनिया हिंद महासागर में फैली और उसके बाद द्वीपीय क्षेत्रों में फैलते हुए इस वायरस ने पांच लाख लोगों को अपने जद में ले लिया। यह इसकी गंभीरता को दिखाता है। ऐसे में सरकारों को अभी से प्रिकोसनरी रणनीति बना लेनी चाहिए ताकि इसके असर को कम किया जा सके। लोगों को भी अपने घर से ही सुरक्षा उपायों पर ध्यान देना होगा। खासतौर से पुराने कबाड़, कूलरों व अन्य पानी जमा भले ही नाममात्र का ही जमा नहीं होने दे। इसी तरह से शरीर को ढंकने वाले कपड़े जैसे पूरी बाहों के शर्ट, पेंट आदि पहने और इसके साथ ही मच्छर नाशकों का उपयोग कर मच्छरों के प्रकोप से बचने और मच्छरों को फैलने से रोके। इस तरह के सुरक्षा मानकों की पालना करनी ही होगी। नहीं तो जिस तरह से मानसून के पहले आने और अच्छी बरसात से जो लाभ हो रहा है वह मच्छरों के प्रकोप के फैलने से मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का कारण भी बन जाएगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर भाजपा और द्रमुक में क्यों हो रही है खींचतान?

-नीरज कुमार दुबे

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तूतीकोरिन से गंगैकोंडाचोलपुरम तक का यह दौरा विकास और सांस्कृतिक प्रतीकवाद का एक संतुलित उदाहरण है। एक ओर वे दक्षिण तमिलनाडु को बड़ी बुनियादी परियोजनाओं का तोहफा दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तमिल इतिहास और पहचान के सबसे गौरवशाली अध्यायों में से एक, चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की स्मृति को सम्मानित कर रहे हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्राओं में एक स्पष्ट रणनीतिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा हुआ होता है। ऐसा ही संदेश प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा में भी छिपा है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल अप्रैल में श्रीलंका से लौटते समय प्रधानमंत्री सीधे रामेश्वरम पहुँचे थे और अब मालदीव से लौटते समय सीधे तमिलनाडु के तूतीकोरिन और त्रिची आ रहे हैं, जहाँ वह चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में भाग लेंगे। यह यात्रा केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि तमिलनाडु और दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा संकेत है।

सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया। वहीं त्रिची में चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव में प्रधानमंत्री की उपस्थिति तमिल गौरव और चोल इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने का संदेश देती है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार तमिल संस्कृति और इतिहास को भारतीय सभ्यता के अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएँ यह संदेश देती हैं कि तमिलनाडु का इतिहास और संस्कृति राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा है, न कि उससे अलग। चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम जैसे ऐतिहासिक नायकों को राष्ट्रीय विमर्श में लाना, DMK के तमिल गौरव के नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है। इसके अलावा, त्रिची यात्रा के साथ-साथ प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 4,800 करोड़ रुपया से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा इस संतुलन को दिखाकर तमिलनाडु की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि केंद्र सरकार क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक सम्मान दोनों पर ध्यान दे रही है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री गंगैकोंडाचोलपुरम में सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम की जयंती मनाने और "आदि तिरुवाथिरै" महोत्सव में शामिल होने के साथ ही राजेन्द्र चोल प्रथम पर एक स्मारक सिक्का जारी करेंगे। यह समारोह चोल साम्राज्य की समुद्री विजय के 1000 वर्ष पूरे होने और गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर के निर्माण की स्मृति में आयोजित हो रहा है।

जहां तक यह सवाल है कि क्यों DMK और BJP चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर आमने-सामने हैं तो आपको बता दें कि भारतीय राजनीति में इतिहास और प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। लेकिन यहां असली सवाल यह है कि आखिर एक हजार वर्ष पूर्व के इस महान चोल सम्राट के नाम और योगदान को लेकर इतनी खींचतान क्यों? सवाल यह भी है कि इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मायने क्या हैं? हम आपको बता दें कि राजेन्द्र प्रथम चोल साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली शासकों में गिने जाते हैं। राजेन्द्र प्रथम (1014-1044 ई.) को दक्षिण भारत का सबसे महान समुद्री विजेता माना जाता है। उन्होंने श्रीलंका, मालदीव, बर्मा (म्यांमार), थाईलैंड और कंबोडिया तक अपना प्रभाव बढ़ाया। गंगा जल लेकर चोल राजधानी में अभिषेक करने वाली उनकी उपलब्धि उन्हें "गंगैकोंडा चोल" की उपाधि दिलाती है। उनके शासनकाल में प्रशासनिक, सांस्कृतिक और समुद्री व्यापारिक नेटवर्क का जबरदस्त विस्तार हुआ। इसके अलावा, राजेन्द्र प्रथम केवल सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक और स्थापत्य कला के भी बड़े संरक्षक थे। तंजावुर और गंगैकोंडाचोलपुरम के भव्य मंदिर उनकी धार्मिक सहिष्णुता और स्थापत्य कौशल को दशार्ते हैं। गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और तमिल शैव भक्ति परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है।

देखा जाये तो DMK के लिए राजेन्द्र प्रथम तमिल गौरव और द्रविड़ संस्कृति के प्रतीक हैं। पार्टी लंबे समय से यह तर्क देती रही है कि तमिल सभ्यता का इतिहास बेहद समृद्ध है और इसे उत्तर भारत केंद्रित ऐतिहासिक आख्यानों में दबा दिया गया। DMK चाहती है कि तमिल लोगों को यह एहसास हो कि उनके पूर्वजों ने समुद्र पार साम्राज्य खड़ा किया था। इसके अलावा DMK इस विषय को ब्राह्मणवादी इतिहास लेखन के प्रतिरोध के रूप में भी प्रस्तुत करती है। द्रविड़ आंदोलन के सामाजिक न्याय और जातिगत असमानताओं को चुनौती देने के एजेंडे के साथ, राजेन्द्र प्रथम का तमिल गौरव पार्टी के राजनीतिक विमर्श में मजबूती से फिट बैठता है।

दूसरी ओर, BJP की रणनीति थोड़ी अलग है। पार्टी राजेन्द्र प्रथम को "हिंदू साम्राज्यवादी शक्ति" के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जिसने विदेशी ताकतों को परास्त कर भारत की सीमाओं के बाहर भी हिंदू प्रभाव फैलाया। यह नैरेटिव BJP की व्यापक "सांस्कृतिक राष्ट्रवाद" की सोच से जुड़ता है। इसके अलावा BJP तमिलनाडु में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती है, जहां अब तक उसकी उपस्थिति सीमित रही है। DMK के तमिल गौरव को चुनौती देने के लिए BJP ऐतिहासिक नायकों को हिंदुत्व के चश्मे से प्रस्तुत कर रही है। इससे उसे तमिलनाडु में सांस्कृतिक जुड़ाव बनाने का अवसर मिलता है।

दोनों दलों की खींचतान के निहितार्थ पर गौर करें तो DMK तमिल पहचान और द्रविड़ गौरव पर जोर देती है, जबकि BJP हिंदू पहचान और राष्ट्रीय गौरव पर। इसके अलावा, यह लड़ाई केवल अतीत की स्मृतियों की नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इतिहास को परिभाषित करने की भी है। यह भी देखने में आ रहा है कि BJP दक्षिण भारत में पैर जमाने के लिए क्षेत्रीय प्रतीकों को अपनाने की रणनीति पर काम कर रही है, जबकि DMK इस क्षेत्रीय अस्मिता को बचाने की कोशिश में है।

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की विरासत पर चल रही यह खींचतान बताती है कि इतिहास केवल अतीत का विषय नहीं है, बल्कि वर्तमान की राजनीति का हथियार भी बनता है। DMK और BJP दोनों ही राजेन्द्र प्रथम को अपने-अपने वैचारिक ढांचे में फिट करने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष आने वाले समय में तमिलनाडु की राजनीति को और अधिक वैचारिक और सांस्कृतिक बहसों से भर देगा।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तूतीकोरिन से गंगैकोंडाचोलपुरम तक का यह दौरा विकास और सांस्कृतिक प्रतीकवाद का एक संतुलित उदाहरण है। एक ओर वे दक्षिण तमिलनाडु को बड़ी बुनियादी परियोजनाओं का तोहफा दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तमिल इतिहास और पहचान के सबसे गौरवशाली अध्यायों में से एक, चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की स्मृति को सम्मानित कर रहे हैं। यह कदम तमिलनाडु की राजनीति में भाजपा की पकड़ मजबूत करने और क्षेत्रीय अस्मिता को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रयास माना जा सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

डोनाल्ड ट्रंप के दखल से झुके थाईलैंड-कंबोडिया! मलेशिया में होगी शांति वार्ता

(एजेन्सी)। **थाईलैंड** और कंबोडिया अपने चार दिवसीय सीमा संघर्ष को समाप्त करने के लिए सोमवार को मलेशिया में बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं। यह सहमति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दोनों देशों के नेताओं पर तत्काल युद्धविराम के लिए दबाव बनाने के आह्वान के बाद बनी है। शनिवार को ट्रंप द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बाद, थाईलैंड ने रविवार को पुष्टि की कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल वार्ता में शामिल होगा। थाई सरकार ने बताया कि मलेशिया ने उन्हें सूचित किया है कि कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट भी इस बैठक में हिस्सा लेंगे। 24 जुलाई को सीमा पर शुरू हुई इस लड़ाई में अब तक कम से कम 33 सैनिक और नागरिक मारे गए हैं, जबकि हजारों थाई और कंबोडियाई नागरिक विस्थापित हुए हैं। यह मानवीय संकट दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा रहा है। अपने स्कॉटिश गोल्फ कोर्स के निजी दौरे की शुरूआत में, राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि दोनों देश 'तुरंत मिलने और युद्धविराम और अंततः शांति स्थापित करने पर सहमत हुए हैं!' दोनों देशों ने उनकी चिंता और प्रयासों के लिए उनका धन्यवाद किया, हालांकि रविवार रात से लेकर सोमवार सुबह तक गोलाबारी जारी रही। कंबोडिया ने युद्धविराम के उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया, जबकि थाईलैंड ने दोनों देशों के बीच बातचीत की आवश्यकता पर बल दिया।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर लंबे समय से तनाव रहा है, जो अक्सर क्षेत्रीय दावों और ऐतिहासिक विवादों से जुड़ा होता है। कंबोडिया ने पहले ही युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था; उसकी सेना थाईलैंड की तुलना में कमजोर है और थाई तोपखाने की बमबारी और हवाई हमलों में उसे जमीन और उपकरण का नुकसान हो रहा है। प्रधानमंत्री मानेट ने फोन कॉल के बाद कहा, 'मैंने (ट्रंप) को स्पष्ट कर दिया है कि कंबोडिया दोनों सशस्त्र बलों के बीच तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम के प्रस्ताव से सहमत है।' उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप की मध्यस्थता 'वास्तव में कई सैनिकों और नागरिकों के जीवन की रक्षा करने में मददगार होगी'।

दूसरी ओर, थाईलैंड का कहना है कि वह युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, लेकिन अपनी पिछली मांग पर अड़ा हुआ है कि कंबोडिया के साथ बातचीत पहले होनी चाहिए। थाई विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'वेचायाचाई ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी चिंता के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि थाईलैंड सैद्धांतिक रूप से युद्धविराम के लिए सहमत है। हालांकि, थाईलैंड कंबोडियाई पक्ष से ईमानदार इरादे देखना चाहेगा।'

गाजा में बढ़ती भुखमरी से निपटने के लिए तीन क्षेत्रों में लड़ाई रोकेगी इजराइली सेना

(एजेन्सी)। **इजराइल** की सेना ने रविवार को कहा कि वह गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति से निपटने के लिए इसके तीन क्षेत्रों में कुछ समय के लिए लड़ाई रोकेगी। इजराइल की सेना ने कहा कि वह रविवार से अगले आदेश तक हर दिन स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे से रात आठ बजे तक मुवासी, दीर अल-बलाह और गाजा सिटी में अपना अभियान रोक देगी। सेना ने एक बयान में कहा कि वह सहायता एजेंसियों को गाजा में लोगों तक भोजन और अन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद करने के लिए सुरक्षित मार्ग भी निर्धारित करेगी। इससे पहले शनिवार को इजराइली सेना ने कहा था कि गाजा में हवाई मार्ग के जरिये राहत सामाग्री की आपूर्ति की जाएगी और संयुक्त राष्ट्र के काफिलों के लिए गलियारे की व्यवस्था की जाएगी। उसने ने यह बयान ऐसे समय में जारी किया था जब गाजा में भुखमरी के कारण होने वाली मौतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और विशेषज्ञों ने कई महीनों तक वहां अकाल पड़ने की चेतावनी दी है। गाजा में हाल के सप्ताह में राहत-सामाग्री प्राप्त करने के प्रयास के दौरान कई फलस्तीनी मारे गए हैं।

भारतीय टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए एक व्यवस्था की जरूरत-शरत कमल

(एजेन्सी)। **अनुभवी** टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है।

शरत ने पीटीआई वीडियो को बताया, हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे। उन्होंने कहा, युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है... जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे।

भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं।

शरत ने कहा, असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा। शरत के अनुसार यह निरंतरता एक व्यवस्थित योजना से आएगी जिसकी शुरूआत 11 साल की उम्र के बच्चों से होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 2036 को देखते हुए हमें उन बच्चों से शुरूआत करनी होगी जो अभी 11 या 12 साल के हैं। हम सभी इसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही एक व्यवस्थित बदलाव देखेंगे।

भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष शरत ने नए खेल विधेयक की भी प्रशंसा की जिसमें खिलाड़ियों को तवज्जो देने वाला ढांचा है। विधेयक के डोपिंग रोधी प्रावधानों पर शरत ने एक बेहद जरूरी बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, इस बार सिर्फ खिलाड़ियों को ही सजा नहीं मिलेगी बल्कि कोच और अन्य संलिप्त लोगों को भी सजा मिलेगी। अक्सर खिलाड़ी ही पकड़ा जाता है जबकि अन्य बिना जांच के चलते रहते हैं। अब यह बदलाव होगा।

नितीश कुमार रेड्डी मुश्किल में फंसे, करोड़ों रुपये की धांधली का लगा आरोप

(एजेन्सी)। इंग्लैंड दौरे से चोटिल होने के कारण पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हुए नीतिश कुमार रेड्डी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के इस खिलाड़ी के पूर्व एजेंट ने उनके खिलाफ एक याचिका दायर कर 5 करोड़ रुपये से ज्यादा की बकाया राशि की मांग की है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, रेड्डी और उनकी पूर्व प्लेयर एजेंसी, स्क्वायर द वन के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान अनुबंध टूट गए थे। इसके बाद नीतीश ने उस दौरे का हिस्सा रहे एक अन्य भारतीय क्रिकेटर के मैनेजर के साथ अनुबंध किया। प्लेयर मैनेजमेंट एजेंसी स्क्वायर द वन प्राइवेट लिमिटेड ने मध्यस्थता एंव सुलह अधिनियम की धारा के तहत एक याचिका दायर की है। इसमें मैनेजमेंट एग्रीमेंट के उल्लंघन और बकाया राशि का भुगतान न करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले की सुनवाई दिल्ली उच्च न्यायालय में 28 जुलाई को होने की उम्मीद है। याचिका में कथित तौर पर अनुबंध के गैरकानूनी उल्लंघन और खिलाड़ी द्वारा अनुबंध संबंधी बकाया राशि का भुगतान न करने से संबंधित दावों पर निर्णय लेने के लिए एक स्वतंत्र मध्यस्थ की नियुक्ति की मांग की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, स्क्वायर दल वन 2021 से ही नितीश रेड्डी का प्रतिनिधित्व कर रहा था। एजेंसी ने रेड्डी के साथ अपने चार साल के जुड़ाव के दौरान कई ब्रांड एंडोर्समेंट और व्यावसायिक साझेदारियों में मदद की।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5% की वृद्धि दर हासिल करने में कोई बाधा नहीं: एमपीसी सदस्य

(एजेन्सी)। **भारतीय** अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है और चालू वित्त वर्ष (2025-26) में इसे 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को यह बात कही। कुमार ने पीटीआई वीडियो के साथ साक्षात्कार में कहा कि दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर बनी हुई है। उन्होंने कहा, वास्तव में, एक-तिहाई से ज्यादा वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं ऋण संकट से जूझ रही हैं...औद्योगिकीकृत अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव, ऊंची मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि में सुस्ती का सामना कर रही हैं। कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात या व्यापार से अधिक घरेलू खपत और घरेलू निवेश पर टिकी है। इस वजह से आज भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे चालू वित्त वर्ष और अगले साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की राह में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा, और, आप जानते हैं, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी इस तरह की वृद्धि जारी रहेगी, और एक समय यह सात से 7.5 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी।

मुद्रास्फीति पर एक सवाल पर कुमार ने कहा कि वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति लगभग दो प्रतिशत है और यह काफी हद तक एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) या आरबीआई द्वारा अपनाई गई नीति का परिणाम है। और अब यह लक्ष्य के दायरे में आ गई है। यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआई के लिए आगे दरों में कटौती की गुंजाइश है, उन्होंने कहा, यह केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ही नहीं, बल्कि सभी विभिन्न वृहद आंकड़ों पर निर्भर करेगा। अगर मुद्रास्फीति किसी महीने में दो प्रतिशत तक नीचे आ जाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह इसी स्तर पर रहेगी। केंद्रीय बैंक ने इस साल प्रमुख नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है।

कृति सेनन ने मनाई 35वां जन्मदिन

(एजेन्सी)। 27 जुलाई को बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन अपना 35वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह इंडस्ट्री की चमकती हुई सितारा हैं। एक्ट्रेस को नेशनल अवॉर्ड जैसे बड़े सम्मान से नवाजा जा चुका है। हालांकि एक्ट्रेस की इस चमक के पीछे काफी संघर्ष और जीवन के उतार-चढ़ाव भी हैं। एक्ट्रेस ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत की थी। तो आइए जानते हैं एक्ट्रेस कृति सेनन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...बता दें कि 27 जुलाई 1990 को कृति सेनन का जन्म हुआ था। वह एक मिडिल क्लास फैमिली से ताल्लुक रखती हैं। कृति सेनन के पिता चार्टड अकाउंटेंट हैं और उनकी मां प्रोफेसर हैं। कृति हमेशा से ही फिल्मों में काम करने का सपना देखती थीं। साल 2014 में कृति सेनन ने तेलुगु फिल्म 'नेनोक्कडाइन' से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टा महेश बाबू नजर आए थे। इस फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इसके बाद एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में कदम रखा था और फिल्म 'हीरोपंथी' से डेब्यू किया था। इस फिल्म में कृति के अपोजिट टाइगर श्रॉफ नजर आए थे। यह दोनों की बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म थी। यहीं से एक्ट्रेस का करियर धीरे-धीरे ऊंचाइयों पर पहुंचने लगा। कृति सेनन ने 'दिलवाले', 'राब्ता', 'रंगून', 'बरेली की बर्फी', और 'लुका छुपी' जैसी फिल्मों में काम किया था। लेकिन एक्ट्रेस को असली पहचान साल 2021 में आई फिल्म 'मिमी' से मिली थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने सरोगेट मां का किरदार निभाया था। इस फिल्म के लिए कृति सेनन को नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला था। एक्ट्रेस की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत है। एक्ट्रेस कृति सेनन बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। एक्ट्रेस ने टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'गणपत', शाहिद कपूर के साथ 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', और अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म 'दो पत्ती' है। इसके अलावा कृति सेनन ने भेड़िया, आदिपुरुष, हम दो हमारे दो, तेरे इश्क में और शहजादा जैसी बेहतरीन फिल्में दीं।

अल सुबह पूंडरी विधायक ने किया ढांड व पूंडरी बस स्टैंड का निरीक्षण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार पूंडरी। पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने अल सुबह 3 बजे पूंडरी व ढांड के बस स्टैंडों का निरीक्षण किया और वहां पर परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध करवाई गई बसों की सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बस में चढ़कर परीक्षार्थियों को परीक्षा की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध करवाई गई है। इस सुविधा से प्रत्येक परीक्षार्थी अपने परीक्षा केंद्र समय पर पहुंच पाया। किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि दो दिन तक प्रदेश में लाखों परीक्षार्थियों के लिए रहने, खाने-पीने सहित यातायात की व्यवस्था की गई।

हरियाणा के इतिहास में यह पहली बार था कि दिव्यांग परीक्षार्थियों को उनके घरों से सरकारी गाडियों में परीक्षा केंद्र तक लाया और ले जाया गया। यह सब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की हरियाणा की जनता की सेवा करने की नीति का परिणाम है। पूर्व की सरकारों में हरियाणा का युवा बसों में भीड़भाड़ में धक्के खाता था। इसके बावजूद भी पर्ची-खर्ची से नौकरी दी जाती थी, लेकिन भाजपा सरकार में बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी दी जा रही है। साथ ही नौकरी के लिए परीक्षा में सरकार हर तरह की सुविधा उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने परीक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नर नारायण सेवा संस्था कैथल द्वारा चलाए जा रहे गरीब बच्चों के लिए स्टडी सेंटर

रेखा गर्ग व उनकी पुत्री तान्या गर्ग द्वारा गरीब, निराश्रित बच्चों को निःशुल्क विद्या के दान की बलबीर कश्यप ने की प्रशंसा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। बलबीर कश्यप खंड शिक्षा अधिकारी एवम् खंड संसाधन संयोजक गुहला एवं राजौंद ने विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सायंकाल उन्होंने देखा कि काफी बच्चे लगभग पांच बजे राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जखौली अड्डा कैथल के बाहर दरी बिछाकर शिक्षा ग्रहण कर रहे है। वे उसी वक्त इन बच्चों के पास गए।

बच्चों को निःशुल्क पढ़ा रही मैडम रेखा गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जखौली अड्डा कैथल में नर नारायण सेवा संस्था द्वारा चलाए जा रहे सेंटर में शाम को निःशुल्क पढ़ाया जाता है। यहां श्रीमती रेखा गर्ग और उनकी पुत्री तान्या गर्ग बहुत ही नेक कार्य कर रही है। जो कि शाम के समय स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और आउट ऑफ ड्रॉप बच्चों को पढ़ाने का कार्य बड़ी ही शिद्दत से कर रही है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि माता व पुत्री निस्वार्थ भावना से गरीब बच्चों की निस्वार्थ सेवा कर रही है। फ्री ऑफ कॉस्ट कर रही है। बेटी तान्या गर्ग भी बच्चों को स्पोर्ट्स भी करवा रही है। खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों से बातचीत की, उनके लर्निंग लेवल का मूल्यांकन किया। बच्चों ने बड़े ही निडर और बड़े अच्छी प्रकार से सवालों के जवाब दिया। बच्चों का लर्निंग लेवल बहुत ही अच्छा है। रीडिंग, काउंटिंग, अंडरस्टैंडिंग पर सवाल किए बड़े ही बेबाकी से जवाब दिए। इस सेंटर पर खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह कश्यप ने लगभग एक घंटा बिताया। शिक्षिकाओं से विस्तार पूर्वक जानकारी ली और चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस संस्था के संरक्षक श्री राजेश गर्ग है जो कि बच्चों को मुफ्त में पढ़ाने और उन्हें मेन स्ट्रीम में लाने का भरपूर प्रयास कर रहे है। कैथल में इस सेंटर को मिलाकर कुल 17 सेंटर अलग अलग जगहों पर चल रहे है। बच्चों को काफी सुविधा जैसे कॉपी, पेंसिल, पेन और किताबें भी फ्री में ही उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्हें कुछ न कुछ, खाने पीने के लिए भी दिया जाता है। कुछ बच्चे तो इसमें लोकल है, लेकिन कुछ बच्चें माइग्रेटेड फैमिली से आते है। इसके साथ साथ स्कूल से भी उन्हें काफी सुविधाएं मिल रही है। इसके लिए स्कूल प्रधानाचार्य और स्टाफ मेम्बर्स की हार्दिक बधाई दी। जो कि यह स्कूल बच्चों के लिए सहयोग कर रहा है। बताया गया कि इस सेंटर पर माननीय उपायुक्त महोदया मैडम प्रीति जी भी विजिट कर चुकी है और मैडम रेखा जी और बच्चों से भी इंटरेक्शन कर चुकी है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने माननीय डीसी मैडम जी को भी धन्यवाद किया है। जिन्होंने इस सेंटर पर जाकर नन्हे मुन्ने बच्चों और सभी शिक्षार्थियों से बातचीत की और सहयोग देने की बात कही। इसके अलावा यह संस्था कैथल शहर में लगभग 109 बुजुर्गों को फ्री में खाना देने का भी कार्य कर रही है। जो कि परिवार वालों के द्वारा ठुकरा दिए गए है। यह भी एक बहुत अच्छी सेवा है।

उन्होंने बताया कि राजेश जी उनकी टेलीफोनिकली बात चीत भी होती रहती है उन्हें मुझे कुछ बच्चों के आधार कार्ड न बनने की लिस्ट दी है मैं व्यक्तिगत रूप से उन बच्चों के आधार बनाने बारे और आधार कार्ड में गलती ठीक करवाने बारे माननीय एडीसी साहब से भी इस बारे में मिलकर अवगत करवाना चाहूंगा, ताकि बच्चों और बच्चियों के आधार कार्ड बनने के बाद ये सभी बच्चे अपने अपने नजदीक के किसी सरकारी स्कूल में दाखिला लेकर अपनी आगे की पढ़ाई पूरी कर पाएं। इन बच्चों के लिए हेल्प करने की बात मैडम रेखा जी और राजेश जी को कही है और जल्द हो हेल्प कर दूंगा। मुझे इन बच्चों के बीच जाकर बहुत ही अच्छा लगा। बच्चों के साथ काफी बाते हुई। इसमें कई बच्चे और बच्चियां तो काफी बड़ी है जिन्होंने स्कूल बीच में छोड़ दिया था। जो कि अब सरकारी स्कूलों में पढ़ रही है कक्षा पहली से लेकर कक्षा नौवीं के बच्चे इसमें शामिल हैं। कुछ बड़े बच्चे तो अपना होम वर्क करने के लिए भी इस सेंटर में आ रहे है उनसे बात चीत करके बहुत ही आनंदित महसूस किया। पुनः इस संस्था को चलाने वालों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जिला कैथल में शांतिपूर्वक रही सीईटी परीक्षा, दो दिन पर्व की तरह निपटी सीईटी परीक्षा-डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि जिला में (सामान्य पात्रता परीक्षा)सीईटी शांतिपूर्वक संपन्न हुई। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां की थी, जिसके कारण परीक्षा निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व समुचित रही। परीक्षा के लिए विभिन्न स्थानों पर अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थी। दोनों सत्रों में कुल 17370 परीक्षार्थियों में से 16471 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 899 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। जिसका प्रतिशत 94.82 रहा।

डीसी प्रीति ने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जिला कैथल में 33 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह के सत्र में 8684 में से 8246 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 438 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार सायं कालीन सत्र में 8686 में से 8225 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 461 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। डीसी प्रीति ने जिला के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को दो दिन की परीक्षा के सफल आयोजन पर बधाई दी। सरकार द्वारा जारी आदेशानुसार परीक्षार्थियों की सुविधा का हर संभव ख्याल रखा गया। जिला में दो दिन तक चारों सत्रों में परीक्षार्थियों ने बड़े ही सहज एवं शांत वातावरण में परीक्षा दी। उन्होंने विशेष रूप से रोडवेज, सहकारी बसों, स्कूली बसों के चालकों, परिचालकों, पुलिस कर्मचारियों, ड्यूटी मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्र अधीक्षकों, पर्यवेक्षकों, सहायक स्टाफ सहित इसके आयोजन में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूरे जिला प्रशासन ने एक टीम की तरह कार्य करते हुए परीक्षार्थियों को राहत पहुंचाई। परीक्षार्थी परीक्षा के दौरान उन्हें दी गई सुविधाओं की मीठी यादें लेकर गए हैं। प्रयास किया गया कि किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने व परीक्षा केंद्र से वापिस घर पहुंचने में कोई परेशानी न आए।

डीसी ने उस सभी सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों का भी आभार जताया, जिन्होंने परीक्षार्थियों के ठहरने, खाने-पीने सहित किसी भी तरह से मदद की।

छह दिवसीय कांवड़िया सेवा शिविर अनेक मामलों में रहा विशेषः भुवनेश सिंघल

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। श्री कांवड़िया सेवा समिति भजनपुरा के इको फ्रेंडली कांवड़ शिविर में अति विशिष्ट अतिथियों में मंत्री कपिल मिश्रा, सांसद मनोज तिवारी, विधायक अजय महावर, पार्षद प्रमोद गुप्ता, पार्षद रेखा रानी, विश्व प्रसिद्ध कथा वाचक अजय भाई, टीवी डिबेटर ववमहामंडलेश्वर श्री वेदमूर्तिपुरी जी महाराज व नवल किशोर दास जी महाराज, जिलाध्यक्ष श्री डॉ यू के चौधरी आदि का आगमन हुआ।

समिति के अध्यक्ष भुवनेश सिंघल ने बताया कि ये छह दिवसीय कांवड़िया सेवा शिविर अनेक मामलों में विशेष रहा जिसमें इसे पूरी तरह से eco friendly बनाया गया था जिसमें सिंगल टाइम यूज प्लास्टिक का बिल्कुल भी प्रयोग नहीं किया गया। इस शिविर का थीम कलर पिंक रहा जिसमें टेंट से लेकर अंगवस्त्र भी पिंक ही रखा गया तथा समिति के पदाधिकारियों का ड्रेस कलर कोड भी पिंक शर्ट रखा गया जिसको समिति द्वारा आमंत्रित करने के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री ने खूब सराहा। शिविर में आये कांवड़ियों को एक हजार टी शर्ट्स व तीन सौ रेन कोट का वितरण किया गया। बतौर कांवड़ियों ने बताया कि शिविर पूरी तरह वाटर प्रूफ था तथा शिविर में भोजन की उत्तम व्यवस्था थी जिनमें विभिन्न प्रकार के व्यंजन थे जिनमें अनेक वैराइटी थीं, साथ ही आइसक्रीम, रसगुल्ले, खीर, मौसमी का जूस, कोल्ड ड्रिंक्स, फल, दूध व चाय आदि की 24 घंटे व्यवस्था थी। खड़ी कांवड़ की सेवा के लिए पांच सेवकों की व्यवस्था व कांवड़ियों के पैर दबाने के लिए भी पांच सेवकों की व्यवस्था सहित विशेष चिकित्सा केंद्र भी बनाया गया था। शिविर में आचार्य धर्मेश जी द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ भी किया गया।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि भुवनेश सिंघल और उनकी टीम का ये पहला शिविर है मगर किसी मंझे हुए अनुभवी की तरह शिविर में सुविधा दी है व व्यवस्था की है वो प्रशंसनीय है। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमको प्रकृति के अनुरूप चलने की प्रेरणा देते हैं जिससे प्रेरित होकर ये शिविर इको फ्रेंडली बनाया गया है।

एक पेड़ सेना के नाम जरूर लगाएंः सांसद मनोज तिवारी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला द्वारा आयोजित कार्यक्रम एक पेड़ सेना के नाम यमुना स्पोर्ट्स वॉटर क्लब के समीप यमुना मैया के तट वन एरिया में वृक्षारोपण कर मनाया गया। एक पेड़ सेना के नाम कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी, जिला अध्यक्ष डॉ यू के चौधरी, विधायक अजय महावर, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्या शर्मा, जोन चेयरमैन पुनीत शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सागर त्यागी, कार्यक्रम संयोजक राहुल गौर, मीडिया प्रभारी दीपक चौहान, भाजपा नेता आनंद त्रिवेदी, सोनी, अनुपम पांडेय की उपस्थिति रही।

मनोज तिवारी ने बताया कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक पेड़ सेना के नाम जरूर लगाना है। भाजपा अपने सैनिको के मान सम्मान के लिए प्रतिवद्ध है और देश के सभी नागरिक अपने जवानों पर गर्व महसूस करता है। जिला अध्यक्ष डॉ यू के चौधरी ने बताया हमारा संकल्प है कि देश को हरा भरा बनाना है और जो वृक्ष हमारे लिए प्राण वायु प्रदान करते हैं उनका हमे उनको संरक्षित करना है। विधायक अजय महावर ने बताया कि कारगिल युद्ध में पाकिस्तान की अकड़ को धूल में मिलाने वाले हमारे जवानों को कोटि-कोटि प्रणाम है। आज सेना का गौरव देश का गौरव है।

इस कार्यक्रम में रंजन त्यागी, सचिन मावी, योगेंद्र राजोरा, पार्षद सोनी, बृजेश सिंह, मण्डल नेहा उप्रेती, नवनीता गुड़िया, राजू बंसल, अनुपम पांडेय, हितेंद्र त्यागी, रेखा रानी, संजय त्यागी व अपेक्षित श्रेणी के साथ-साथ समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विदाई सह सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

संजना भारती संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय दशरथपुर में लगातार बीस वर्षों से सेवा देने वाली शिक्षिका सुनीता कुमारी एवं शिक्षक संतोष कुमार का प्रधानाध्यापक पद पर चयनित उपरांत ट्रांसफर होने पर विद्यालय परिवार द्वारा विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अभय कुमार चौधरी ने की समारोह का उद्घाटन सामूहिक रुप से राष्ट्रगान के साथ किया गया। समारोह को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार राय ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षिका सुनीता कुमारी ने बेमिसाल बीस वर्ष से अधिक इसी विद्यालय में सेवा देकर शिक्षा जगत में एक अलग सा पहचान बना रखी है। ठीक उसी तरह शिक्षक संतोष कुमार ने भी शिक्षा का अलख जगाने में कोई कोर नहीं छोड़े हैं जो काबिले तारीफ है। उक्त मौके पर अनेक गणमान्य मौजूद थे।

भारत स्काउट और गाइड मोतिहारी जिला मुख्यालय में

आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। रविवार को भारत स्काउट और गाइड पूर्वी चंपारण मोतिहारी जिला मुख्यालय में आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक जिला मुख्य आयुक्त रत्नेश्वरी शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

उक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला मुख्यालय के सभी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय से तीन-तीन छात्र छात्राओं का चयन जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस परेड के पूर्वाभ्यास में सम्मिलित करने हेतु चयन किया जाएगा। साथ ही भारत स्काउट और गाइड के बैंड पार्टी का भी चयन परेड हेतु किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि आगामी स्वतंत्रता दिवस पर पूरे वर्ष में जिन-जिन विद्यालयों में स्काउट और गाइड का क्रियाशिलन उत्कृष्ट स्तर पर किया जा रहा है उन विद्यालय की प्राचार्य/प्रधानाध्यापक को भारत स्काउट और गाइड के द्वारा जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

इस मौके पर कुंदन कुमार जिला प्रशिक्षक द्वारा स्काउट गाइड कार्यालय में एक पंखा भेंट स्वरूप दिया गया। जिसका स्वागत उपस्थित सदस्य के द्वारा करतल ध्वनि से किया गया। मौके पर जिला आयुक्त वयस्क संसाधन राजकिशोर पासवान, जिला संगठन आयुक्त दीपक कुमार गुप्ता, जिला सचिव अभिषेक राज्य, अजहर हुसैन अंसारी राष्ट्रपति स्काउट एवं समाजसेवी दयाल शरण प्रसाद, शुभम कुमार, अमीर अनवर, चंदन कुमार, सक्षम आर्य, चंदन कुमार, अभिजीत कुमार, पवन कुमार, अंकित कुमार, गोलू कुमार, नंदन कुमार रितिशाराज, चांदनी कुमारी, पल्लवी रानी व स्काउट गाइड उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई सीईटी की परीक्षा: डीसी उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा रविवार को आयोजित सीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। दोनों दिन किसी अभ्यर्थियों को कोई परेशानी नहीं आई। बेहद अनुशासन और पारदर्शी तरीके से करनाल जिला में सीईटी की परीक्षा संपन्न हुई। वहीं पंचकूला और यमुनानगर जिन बसों में अभ्यर्थियों को रवाना किया गया, वह बसें अपने तय समय पर चली और उन्होंने तय समय पर अभ्यर्थियों को गंतव्य पर पहुंचाया। इसी तरह जींद से जो बसें करनाल आई थी, उन्हें पुलिस लाइन में ठहराया गया। वहां से तय समय पर अभ्यर्थियों को करनाल के अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर छोड़ा गया।

उन्होंने बताया कि परीक्षा दो सत्रों में हुई। दोनों सत्रों के लिए कुल 53 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सुबह के सत्र में कुल 14,787 अभ्यर्थियों ने परीक्षा देनी थी, इनमें से 13,767 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी जबकि 1020 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं शाम के सत्र में कुल 14,790 अभ्यर्थियों ने परीक्षा देनी थी, इनमें से 13,875 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी जबकि 915 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

जिला प्रशासन करनाल की ओर से जिला में आने वाले अभ्यर्थियों के सहयोग के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए थे। साथ ही आमजन की सुविधा के लिए डायल 112 भी सक्रिय रूप से एक्टिव रही। डीसी उत्तम सिंह ने निरंतर हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों के समाधान के निर्देश दिए हुए थे ताकि किसी भी परीक्षार्थी को परेशानी न हो। बहुत से अभ्यर्थियों ने हेल्पलाइन पर कॉल करके मदद ली। उन्हें जिला प्रशासन द्वारा तत्काल मदद पहुंचाई गई।

जिला प्रशासन द्वारा पुलिस लाईन में बनाए गए अस्थाई बस स्टैंड पर अभ्यर्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालयों जैसी बुनियादी सुविधाएं भी सुनिश्चित की गई थी। विशेष रूप से दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए व्हीलचेयर की अतिरिक्त व्यवस्था की गई थी।

तक्षशिला टॉक ब्राह्मण सभा के तत्वाधान में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। तक्षशिला टॉक ब्राह्मण सभा के तत्वाधान में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन श्री शिवशक्ति मंदिर, मौजपुर दिल्ली में किया गया जिसमें टांक ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खूब आनंद के साथ यह त्यौहार मनाया। हरियाली तीज महोत्सव में कई मनोरंजक खेलो का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से मेहंदी कंपटीशन, राधा कृष्ण की झांकी, तंबोला, बाल पासिंग, म्यूजिकल चेयर तथा अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदिर प्रांगण में झूले के साथ डीजे पर नृत्य के साथ सभी ने हरियाली तीज का त्योहार हंसी खुशी से मनाया। सभी ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर हरियाली तीज की बधाई दी और प्रभु से सभी के सुखमय जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में सभी ने चाट पापड़ी, गोलगप्पे व सामूहिक भोजन प्रसाद व झूले पर झूल कर हरियाली तीज के पावन महोत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम के आयोजन में सभी का भरपूर सहयोग रहा श्री सुशील धन्वंतरि व श्री श्याम शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये सभी को धन्यवाद दिया व आभार प्रकट किया।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।
संपर्क करें: 9871221635

पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क का मनाया गया 68वां जन्मदिन

हमेशा लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे: बख्शीश सिंह विर्क

संजना भारती संवाददाता

करनाल। पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क का 68वां जन्मदिन पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में केक काट कर धूमधाम से मनाया। बधाई देने के लिए पूर्व विधायक के समर्थकों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र सिंह राठौर ने केक खिलाकर पूर्व विधायक को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जन्मदिन के उपलक्ष्य में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी, हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजत लाठर, बसंत राणा, इन्द्रपाल सिंह विर्क, युधिष्ठिर राणा, कांग्रेस नेत्री अधिवक्ता सोनिया बोहत, पूर्व चेयरमैन सुरजीत राणा, पूर्व सिटी प्रधान जितेन्द्र चोपड़ा, मास्टर सोहन सिंह विर्क, सरपंचों, पूर्व सरपंचों सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक को जन्मदिन की बधाई दी।

पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहेंगें। इस अवसर पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष जतिन बिंदल, युवा नेता अमृतपाल सिंह, पूर्व सरपंच महीपाल राणा, यशपाल राणा, प्रदीप राणा, पूर्व सरपंच अमन दादूपुर, बलविंद्र संधू बिलोना, वीरेन्द्र सिंह मर्दान हेडी, धर्मवीर खांडा खेड़ी, बृजमोहन टक्कर, मास्टर सुरजप्रकाश, सेवा सिंधड सहित अन्य मौजूद रहे।

- **कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र सिंह राठौर ने केक खिलाकर पूर्व विधायक को जन्मदिन की बधाई दी**
- **पूर्व विधायक को बधाई देने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं व समर्थकों का लगा रहा तांता**

महाराज दक्ष के दिखाए सद्मार्ग पर चले समाज: विधायक जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद रविवार को करनाल की प्रजापत चौपाल में आयोजित महाराज दक्ष प्रजापति जयंती के समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाराज दक्ष प्रजापति सृष्टि के महान सृजनकर्ता, यज्ञ के प्रवर्तक और धर्म के संरक्षक थे। उनका जीवन संस्कार, त्याग और सत्य का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सद्मार्ग दिखाया और यज्ञ, तप व धर्म के माध्यम से मानवता को उच्च आदर्शों से जोड़ा। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और धर्म, संस्कृति व समाज कल्याण के मार्ग पर चलना चाहिए। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद ने सभी को महराज दक्ष प्रजापति जयंती की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज से लाखों वर्ष पहले प्रजापति ब्रह्मा ने पंच तत्वों (पृथ्वी, जल, वायु, आकाश और अग्नि) के प्रयोग से सृष्टि की रचना की थी। ब्रह्मा जी के बेटे दक्ष प्रजापति ने भी इन्हीं पंच तत्वों का इस्तेमाल करके बर्तनों की कलाकारी की। इस प्रकार मनुष्यों में सबसे पहले कलाकार महाराजा दक्ष प्रजापति ही थे। उन्होंने कहा कि महाराज दक्ष प्रजापति का जीवन त्याग, तपस्या, श्रम और सृजन का प्रतीक रहा है। उनके आदर्श आज भी समाज को संगठित रहने, आत्मनिर्भर बनने और संस्कारों से युक्त जीवन जीने का संदेश देते हैं। इस मौके पर भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि कविंद्र राणा, पार्षद भूपेंद्र, पार्षद सुभाष काम्बोज, प्रधान रामकुमार, महासचिव महिंद्र सरोहा, सचिन प्रजापत, नाथीराम, ओमप्रकाश, पदम, सुरेंद्र, कृष्ण, जय भगवान, बलबीर, सुनील सहित समाज के अनेक गणमान्य साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नपा राजौंद द्वारा नालों की सफाई का काम करवाया गया

- **बीरबागडा मोड़ से जींद रोड तक सफाई का काम करवाया गया है-नपा सचिव नरेंद्र शर्मा**

नपा राजौंद द्वारा नाले की सफाई करवाई गई। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के महाराणा प्रताप चौक से बीरबांगडा रोड, खंड शिक्षा अधिकारी राजौंद कार्यालय क्षेत्र में नाला अवरोध होने से पानी सड़क पर आ रहा था। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आते ही जेसीबी मशीन एवं मैनुवल नाले की सफाई करवाई गई है। उन्होंने बताया कि कुछ नागरिक नाले में कूड़ा-करकट, मिट्टी, पॉलिथीन आदि डाल देते हैं जिस कारण से नाला अवरूद्ध हो गया था। उन्होंने कहा कि रविवार होने के बावजूद नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों व जेसीबी मशीन के सहयोग से नाले की विशेष सफाई करवाई गई है। उन्होंने कहा कि सफाई के मामले में नागरिकों को परेशान होने नहीं दिया जाएगा। सचिव ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें किसी भी वार्ड, गली मोहल्ले में सफाई संबंधी किसी समस्या का पता चले तो उसके लिखित सूचना नगर पालिका कार्यालय राजौद में देवे। यथाशीघ्र सफाई करवा दी जाएगी।

नपा राजौंद द्वारा नगर में फॉगिंग कार्य शुरू। (छाया: एसबी)

नपा राजौंद ने नगर में फागिंग अभियान शुरू कर दिया है: नपा सचिव

नगर पालिका राजौंद द्वारा नगर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के चलते फॉगिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। नपा सचिव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से नगर में फॉगिंग करवाई जा रही है उन्होंने कहा कि फागिंग कार्य में पूरे नगर की गलियां,सभी वार्ड कवर किए जाएगें। यदि नागरिकों को किसी गली, मोहल्ले में मच्छरों का ज्यादा प्रकोप होने की शिकायत है तो उसकी सूचना नगर पालिका में दें। नगर पालिका वहां पर प्राथमिकता के आधार पर फागिंग कार्य करवाएगी। सचिव ने कहा कि नगर पालिका राजौंद क्षेत्र में नागरिकों को किसी भी प्रकार की सामूहिक, सार्वजनिक समस्या आए तो निसंकोच नगर पालिका कार्यालय में संपर्क करें।

राजौंद में सिवरेज पाइपलाइन दबाने के काम में ठेकेदार लापरवाह!

निर्माणाधीन सिवरेज की पाईप से निकल रहा है वाटर सप्लाई की टूंटी का पानी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के ठेकेदार द्वारा सिवरेज पाइपलाइन दबाने का कार्य किया जा रहा है। ठेकेदार के कार्य में भारी अनियमितता देखने को मिल रही है। ठेकेदार द्वारा नगर के वार्ड नं 1 व वार्ड 10 के सांझा तीन गलियों के ज्वाईंट, गढी पट्टी, निकट बाबा परशुबन मंदिर, बाबा बन बहादुर मन्दिर, निकट पुराना गोल्ड लाइफ स्कूल राजौंद की गली के ज्वाइंट पर सिवरेज पाइपलाइन के मेन हाल का खड्डा खोदा गया है। इस खोदे गए गड्ढे से पिछले चार दिन से सीवरेज की निर्माणाधीन पाइप से पानी निकल रहा। मुहल्ला निवासी संजय कुमार, राकेश राणा, विनोद कुमार, सुखविंदर, गौरव ने बताया की सिवरेज ठेकेदार सुनील कुमार से कई दिन से प्रार्थना कर रहे हैं लेकिन ठेकेदार झूठे आश्वासन दे रहा है। वह समस्या का समाधान करने के प्रति गम्भीर नहीं है।

नागरिकों ने बताया कि यह मार्ग में बाजार का मेन रास्ता है। इस गली से गांव सन्तोख माजरा, कोठड़ा के नागरिक दो पहिया वाहन से आते जाते हैं। किसान परिवारों का मोहल्ला होने के कारण पशु, बुग्गी आदि लगातार गुजरती है। नजदीक ही बाबा परशुबन व बाबा बन बहादुर के मंदिर, एक नीजि स्कूल है। इस गली से नियमित रूप से स्कूल के विद्यार्थी, माता, बहनें, बुजुर्गों, श्रद्धालुओं, किसान, नौकरीपेशा, व्यापारी व आम नागरिकों का आना-जाना लगा रहता है। रात के समय इस गली में लाइटे न होने के कारण अंधेरा रहता है। अंधेरे में गड्ढा दिखाई नहीं देता। इस गड्ढे में गिरकर कई नागरिक, दो पहिया वाहन चालक चोटिल हो चुके हैं। लेकिन विभाग इस समस्या का समाधान करने के प्रति गंभीर नहीं है।

गौरतलब है कि महाराणा प्रताप चौक क्षेत्र में सिवरेज पाइपलाइन के जॉइंट लूज लगाने के आरोप प्रधान सन्नी शर्मा व तरसेम शर्मा लगा चुके हैं। बार बार अनुरोध करने पर भी विभाग ने सीवरेज पाइपों के जॉइंट को ठीक नहीं किया व मिट्टी डाल करके पाइपलाइन को ऐसे ही दबा दिया गया है। जॉइंट ठीक ना लगने के कारण सिवरेज चालू होने पर इन पाइपों के जोड़ लीक होंगे, पानी जमीन में जाएगा, आसपास की दुकान व इमारतों की बुनियाद को नुकसान पहुंचाएगा। जिससे नागरिकों का भारी नुकसान होने का अंदेशा है। मामले की शिकायत आला अधिकारियों को भेजी गई थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

नागरिकों ने बताया कि सोमवार 28 जुलाई को बाबा के मंदिर में विशेष भंडारा लगने वाला है जिसमें सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहेगा, दो दिन की छुट्टी के बाद स्कूल खुलने वाले हैं सुबह-शाम बच्चों का आना-जाना गली से लगा रहेगा। इसलिए विभाग से प्रार्थना की गई है कि यथाशीघ्र समस्या को दूर करके इस खड्डे को भरा जाए।

नागरिकों ने हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद कुरुक्षेत्र नवीन जिंदल से प्रार्थना की है कि वे राजौंद पर अपने विशेष आशीर्वाद बनाएं व नगर को इन समस्याओं से मुक्ति दिलवाएं।

गड्ढे में रिस रहा है पानी।

राकेश राणा।

विनोद कुमार।

सुखविंदर।

संजय राणा।

- **नागरिकों ने मुख्यमंत्री हरियाणा से ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की अपील की**

अधिकारियों ने क्या कहा

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एसडीओ जगदीश को कई बार फोन किया गया उन्होंने फोन नहीं उठाया।

सिवरेज ठेकेदार सुनील कुमार को कई बार फोन किया गया उन्होंने फोन नहीं उठाया। विभाग के जेई हरि सिंह को फोन किया गया तो उन्होंने कहा कि सम्बंधित कर्मचारियों को निर्देश देकर शीघ्र समस्या का समाधान करवाया जाएगा। नागरिकों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। विभाग हर समय नागरिकों के सहयोग के लिए तत्पर है।

हरियाणा पर्यटन निगम के कर्ण लेक पर तीज महोत्सव का हुआ आयोजन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाली तीज के अवसर पर हरियाणा पर्यटन निगम की कर्ण लेक पर रविवार को तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यटकों व स्कूल के बच्चों ने झूलों का आनंद लिया व मेहंदी प्रतियोगिता व रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पर्यटकों ने बोटिंग व रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट खाने का मजा लिया। मंडलीय प्रबंधक विजेंद्र शर्मा ने बताया कि हरियाणा पर्यटन निगम विभिन्न अवसरों पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन

वर्ष भर करता रहता है और आने वाले पर्यटकों को मनोरंजन का अवसर देता है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि चंद्रमा का चक्र निर्धारित करता है कि प्रत्येक वर्ष तीज कब मनाई जाएगी। यह त्यौहार मानसून के मौसम में सालाना जुलाई या अगस्त में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ये त्योहार प्रकृति की कृपा, मानसून के आगमन, हरियाली और पक्षियों के साथ सामाजिक गतिविधियों, अनुष्ठानों और रीति-रिवाजों का त्योहार है। हरियाली तीज पर पेड़ों के नीचे झूला झूलना शामिल है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने रीति-रिवाज मानने चाहिए और त्योहारों को भी धूमधाम से मनाना चाहे। इस अवसर पर मैनेजर समीर शर्मा व इंद्र सिंह, सतपाल, नरेंद्र, नरेश, रोहताश व हरियाणा पर्यटन निगम के स्टाफ ने अपना योगदान दिया। करनाल के गोल्डन पब्लिक स्कूल व कमल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया व बोटिंग का आनंद लिया।

सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: 9871221635

फफड़ाना यूनिक पब्लिक स्कूल में तीज पर्व धूमधाम से मनाया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। यूनिक पब्लिक स्कूल फफड़ाना गांव में हरियाली तीज का पर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया और झूलों का आनंद लेते हुए हरियाली तीज के गीत गाए। इस अवसर पर स्कूल में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इसके अलावा व्यंजन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें बच्चे अपने घरों से विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन लेकर आए थे।

क्लास नर्सरी से क्लास दूसरी तक के बच्चों ने इस अवसर पर ग्रीन डे मनाया। पारम्परिक पोषकों में बच्चे बहुत आकर्षक व सुंदर लग रहे थे। स्कूल संचालक राजेन्द्र दुहन व चेयरमैन सुनीता दुहन ने इस पावन पर्व के अवसर पर सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि हरियाली तीज पर्व का पौराणिक महत्व है तथा यह समृद्ध भारत की संस्कृति का हिस्सा है। हरियाली तीज पर्व के उपलक्ष्य में हम सबको हरियाली और स्वच्छ वातावरण के महत्व को समझते हुए अपने पर्यावरण को साफ रखने व पेड़ लगाने और पेड़ पौधों की रक्षा करने की शपथ लेनी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में संस्थापक राजेन्द्र दुहन व चेयरमैन सुनीता दुहन ने सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रदान की।

इस अवसर पर सतेन्द्र शर्मा, राजेश, अनिल, सीमा, सुमन, नेहा सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

ब्रिटिश पब्लिक स्कूल शेखुपुरा में धूमधाम से मनाया गया हरियाली का पर्व तीज: रविंद्र मलिक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। क्षेत्र के गांव शेखुपुरा स्थित ब्रिटिश पब्लिक स्कूल में हरियाली का पर्व तीज धूमधाम के साथ मनाया गया। इसके लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने झुला झूला और रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर नौनिहालों ने उत्सव का भरपूर आनंद लिया। जिसके साक्षी बने अभिभावकों ने बच्चों पर भरपूर स्नेह वर्षा की और नन्हे मुन्ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। बच्चों के सुंदर सुंदर परिधानों ने अभिभावकों सहित स्कूल प्रबंधकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर हरियाणा की पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक से जुड़े लोक गीत गाए गए। इस मौके पर स्कूल संचालक चेयरमैन रविंद्र मलिक और प्रिंसिपल सुनील कुमार ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना की और उनका मनोबल बढ़ाया। हरियाली के प्रतीक तीज महोत्सव की जानकारी सांझा करते हुए विद्यालय के चेयरमैन रविंद्र मलिक ने कहा कि तीज महोत्सव हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व नारी शक्ति, श्रद्धा, प्रेम और त्याग की भावना को प्रकट करता है। विद्यालय में तीज का आयोजन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बच्चों को देश और राज्य की संस्कृति से जोड़ने का एक प्रयास है।

इस महोत्सव के माध्यम से विद्यालय अपने स्कूल की छात्राओं को यह संदेश देना चाहता है कि वे आत्मबल, गरिमा और आत्मसम्मान की प्रतीक बनें। बेटियों की भूमिका केवल घर तक सीमित नहीं है, वे आज हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

इस अवसर पर स्कूल की कॉर्डिनेटर अश्मिता, वनिता, ईशा, सोनम, अमित टक्कर आदि मौजूद रहें।

स्वच्छता सर्वेक्षण में घरौंडा को मिला जिला में पहला स्थान, विधानसभा अध्यक्ष ने सफाई मित्रों को किया सम्मानित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। स्वच्छता सर्वेक्षण में घरौंडा को जिला करनाल में पहला और प्रदेश में 10वां स्थान मिलने पर रविवार को घरौंडा के सभागार में सफाई मित्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शिरकत की। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सफाई कर्मचारियों, पार्षदों, अधिकारियों, चेयरमैन व शहर के लोगों को बधाई दी। 70 से अधिक सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। साथ ही कहा कि भविष्य में भी अव्वल दर्जे को बरकरार रखते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ाना है। उन्होंने कस्बे के सभागार को वातानुकूलित और साउंड-प्रूफ बनवाने की घोषणा की। साथ ही कहा कि शहर में सर्विस रोड को चौड़ा किया जाएगा। सरकार से 20 करोड़ का यह प्रोजेक्ट मंजूर हो चुका है। अब एनएचएआई से मंजूरी के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की जा चुकी है। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि स्वच्छता में जिला में पहला स्थान पाना आज शहर के लिए खुशी व गौरव की बात है। जब कुछ हासिल होता है तो उसके पीछे किसी न किसी की मेहनत भी होती है। धरातल पर काम करने वालों की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। हर मेहनतकश से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के इस नंबर को बरकरार रखने की जिम्मेदारी केवल सफाई कर्मचारियों की नहीं, हर नागरिक की है। 2017 में भी घरौंडा को उत्तर भारत में प्रथम स्थान मिला था।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 2014 के बाद घरौंडा की तस्वीर बदली है। अभी और विकास किया जाना है। यही तरक्की भविष्य में लोगों को रोजगार के अवसर भी देगी। रिंग रोड बनने से नई औद्योगिक इकाईयां स्थापित होंगी। मेडिकल यूनिवर्सिटी चालू होने के बाद लोगों को न केवल बेहतरीन इलाज मिलेगा बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी। रेपिड रेल प्रोजेक्ट भी भावी पीढ़ी के लिए खुशहाली का कारण बनेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत पानीपत व करनाल के बीच तीन स्टेशन बनेंगे। यहां के युवाओं को कोचिंग आदि के लिए दिल्ली में कमरा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे सुबह जाकर शाम को घर लौट सकेंगे। उन्होंने कहा कि गांवों में लाइब्रेरी बनवाई जा रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष हविन्द्र कल्याण ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। सफाई कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं।

सरकार मेरिट पर नौकरी दे रही है। मेहनत करने वालों का अधिकार कोई नहीं छीन सकता।